श्रमण १९९० ०४ (फोल्डर नं. ०२५००२)

सम्पादक - डॉ. सागरमल जैन

सह सम्पादक – डॉ. शिवप्रसाद

मुख्य टाइटल

अनुक्रमणिका

जैनधर्म में तीर्थ कि अवधारणा – प्रो. सागरमल जैन ---------- १

जैन संस्कृति और श्रमण परम्परा – डॉ. शान्ताराम भालचन्द्र दवे ---------- २९

मानव व्यक्तित्व का वर्गीकरण – डॉ. त्रिवेणी प्रसाद सिंह ---------- ४१

सूत्रकृतांग में वर्णित दार्शनिक विचार – डॉ. श्रीप्रकाश पाण्डेय ---------- ५१

पार्श्वनाथ जन्मभूमि मंदिर, वाराणसी का पुरातत्त्वीय वैभव – प्रो. सागरमल जैन ---------- ७७

प्रबन्धकोश का ऐतिहासिक वैभव – प्रवेश भारद्वाज ---------- ८९

विद्याश्रम की गतिविधियाँ ---------- १०१

जैन जगत् ---------- १०३

साहित्य सत्कार ---------- १०५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org